TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. P_MSS_4336

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

१००

॥ॐ॥ अथ रतनकुमार सझाय लिख्यते ॥ [illegible] जी ॥ रतन रूप गुण आगला रे ॥ आगम मांहे भनता बोल सांभलता
सुखवासना रे ॥ आपो अमती बोल ॥१॥ रतन० ॥ सुर सेवादे जारा नेत झरे ॥ श्रीमानी कुलचंद ॥ नोकारी
ए जीना वुझाया रे ॥ रतन गुरु गुण रतो रतन० ॥ सोभागर रसनायत ना झरे ॥ आद साधे ते आचारे
दवकन्या प्रीत जीरे ॥ जेण लीधो संयम सार रे ॥ रतन० ॥३॥ सासर आइन [illegible] ॥ [illegible] नर
नार ॥ पीवन सासु सेन मे लाय रे ॥ जे मरा [illegible] मकमार ॥ रतन० ॥४॥ श्रीबाई नरसम फाबवार ॥ सास
र आयास्या मे ॥ सासर वासा लेइ करा रे ॥ सा धा मची [illegible] सीराम ॥ रतन० ॥५॥ वीनो करी सासु कुम
वर ने ॥ तुम कुं मेय पारा आ जी ॥ रतन कहे नवेर गोयारे ॥ हम तो ममी [illegible] मे ॥ रतन० ॥६॥
त डो तुम सी वाली कारे ॥ श्रीबाई वरनारी ॥ सासर वासो मे हत करावे ॥ आद स्याचार ते ॥ रतन
० ॥ सातसह ता मे मेल तारे ॥ श्रीबाई प्रमोद ॥ माता बलानी मोर दरारे ॥ जाणी बात नी नोद : ॥ रतन० ॥७
रतन कहे सुणो सुंदरा रे ॥ मेह आदर साचार ते ॥ वहा पसरी सा मुझी बन ही रे ॥ [illegible] सासर वासे
प्रवीतो ॥ रतन० ॥८॥ श्रीबाई कहे कतनर रे ॥ तमन छोर बचन न नी वारी ॥ तो ला चीत धी कुपर हनो
रे ॥ चाल्यो मारगे वीचारी ॥ रतन० ॥९॥ सुण अवगुण कहो मुझ नरे ॥ मन ने कुं मे [illegible] धार ॥ [illegible] कुं
[illegible] ॥ मारी सा वात र ससार ॥ रतन० ॥१०॥ [illegible] मोन लीर ॥ [illegible] रतन [illegible]
र तारि ॥ मोटा मने मा [illegible] ही कुं जाण तीरे ॥ तुम [illegible] नीर धरे ॥ रतन० ॥११॥ रतन कहे [illegible]
[illegible] ससार [illegible] ॥ [illegible] चोरासी मे [illegible] ॥ रत० ॥१२॥ समगण [illegible]
डी यारे ॥ [illegible] ॥ रत० ॥१३॥ [illegible]
[illegible] ॥ मानवे [illegible] ॥ [illegible] ॥ मार कुं [illegible] मे ससार ॥ रतन० ॥१४॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

१४

श्री० ती

जाण। रतन० १६। सासैंवस तुपर हरीर। मानेवधकर वत लाय। देखासी सरसु हारणारे। कुकु
बोषावधाणे। रतन० १७। गुणवता सुणीबाली मारे। मनेकु मेवारि ने भार। जोवराणे पोढे रूतोर।
पहूतीकर तावचार। रतन० १८। हमेतु मे तात आसाधणीर। [illegible]
[illegible] कुवर सुणी षके ता। रतन० १९। मेरे हीरा केरो नाण जीर। पोचा ने उ आवासे तग
न्हीवस चोरी रचोप। हे बड भीरी हुलास। रतन० २०। जोवन वेदीप दोहाली र। देही लो साधक आ
चार। वधु वेहरूप अधरर।। बोहु कर सजम तार। रतन० २१। रतन कहे सुणी सुंदरी र। नामे
जंबुकमारे। एमतु मुझीन जाणी जोर। उहे देसु वीचारी। रतन० २२।। [illegible]
[illegible] कुमार। रतन० २३। अवेतो परणा जी
नार जीद स्यो सजम तार। एमतु मुझीन जाणी जोर।। [illegible] वर नार। रतन० २४। हेवी वात नकी
जीण रे। नीम्बु नारी को जजाले। पल लागी पीया तुम तणे रे। जाण जेगसंसार। रतन० २५। दकुवकी
कोलदन सुहावणी। नाम गज सुषमाह। देव के ना सरीषीत जीर।। वीषा सजम तार। रतन० २६
वातो वाहिर केरी वातीकीरै। वोता जादवरार। रतन० २७ सरीषा सीरी मा हो तान हीरे। कीमें
मोजानीरे। रतन० २८।। [illegible] हवीरा।। [illegible] कुमार। एमतु मुझीन जाणी
जोर। उ देसु वीचारी। रतन० २९। [illegible] कोर वना हुया
रहुरे।। [illegible] रतन० ३०। [illegible] हरीर।। [illegible]
हतु मेवीनार।। मान कुण दे षघरबार। रतन० ३१। [illegible]
[illegible] वीचारी।। रतन० ३२।। कुवारी [illegible] घर [illegible]
सार। पवे फ[illegible] नी सीमारे।। वेती घरकेवार। रतन० ३३। [illegible]

३-

आणाका वांटे। लोग चा [illegible] घणा रे। [illegible] रतन० ३४। कुवारी कन्या न वर [illegible]
णारे। सोघ र सो सर तार।। [illegible] जाणो तुमे हीत कारे। रतन० ३५। गुणवता सु
णीबाली मा।। [illegible] रतन० ३६। [illegible]
जो तुम रह स्यो संसार मेर।। तो हु तुम स्यो नारी। जो तुम स्यु सजम आदरीस। [illegible] आचार। रतन० ३७
मानसरोवर की हंसली रे।। नगर [illegible] रतन० ३८।। [illegible]
रतन० ३८।। [illegible] सामल्यार तन कुमारे। [illegible] सजम आदरी सी र।। जाणो जगु
तसंसार। रतन० ३९।। नमजी [illegible] श्री रतनागर साथे। [illegible] साधी र।।
सेजमस्तार। रतन० ४०। [illegible] श्री रतन [illegible] सजम [illegible] नार म
[illegible] आचार। रतन० ४१। रतनागुर [illegible] नवा नगर [illegible] सफ
करो अवतार। रतन० ४२। रतन [illegible] जीम [illegible]
दस मी ढाल [illegible] रतनगुर० ४३।। इति श्री रतनगर [illegible]
दूहा।। [illegible]
[illegible] सं० १। सुर० [illegible]
[illegible] सं० २। सुर० [illegible]
आदर देइ [illegible] सं० [illegible] सं० ३। सुर० [illegible]
[illegible] सं० [illegible] सं० ४। सुर० [illegible]
जाके सरे गुण कर [illegible] सं० [illegible] सं० ५। सुर०
मोतीजी [illegible] मोतीजी [illegible] सं० ६।
सुर० [illegible] सं० [illegible]

ये
मो=
नामील

२

सझाई०

७ सरण० वैदो जी वैगा आकर । वैगा नहीं तो नर जोत्य जी स० । ही शैजीये नाक देक्त नया । वाघा हमारो मोलज
स० ८ । सम० । दस चौरासी मसज पनो । पाइ हमैन माहदेहे जी स० । योतो सपनो हुगयो । फेरे चौरा जाइ जो
सखु० ९ । सम० । जान जी सुर पुरा मेल्या । ज्याको सब सपुत हो स० । बचनाको वाघमजोर हे । जरणम रजी
पुतवो । स० १० । सु० । कुमतीजी कपट संसार म । असो एय अाप को फूल जी स० । अवरे वाली ची टककी
माही वीय को मुख जी । स० ११ । सु० । मनवण तो धम क नहीं । कपस वोरट र रपको स० । अंब मुरम बोल नहीं
नीचवै केडे नाइवो । स० १२ । सु० । करो तद्याही धर्मकी । अत्रध्यरी दीय जी से जी स० । के सनभी ला मत्य
जा तो जो । ज्या ला धाती थे कर जोतवो । स० । १३ । सु० । सा मजी सबदा पढ़ी । हारो अपरे णमाही वो ।
स० । सुरानी जेहत आदरो । नहीं के काइ रक्को मामजी । स० १४ । सु० । सो वामी सोमीर घेलो । सारा व सोव
सीजी । स० । पीवाह उले सान दी संजीण कहो कणो नहीं जाइ जी । स० १५ । सु० । ठाम ही यो मीर नसेच
र । सोहल्यो मीर घन होइ वो । वैरागी सरमा पघको । नहीं रका फेज पार हो । स० १६ । सु० । हुसर वर नठ
मोए । ओजे धारा होइ वा । स० । मनस्सरर को लता । तो लाइन कसी कोइ वो । स० १७ । सु० । सरवर हसम
नापल । नीगडा थकी व होम ही । स० । जा वैगा सेउ जरहो । जा सुवचन तो हे डो हो । स० । १८ । सु० । हसान
सरवार । फुफ घणी वला राइ वो । स० । सुगणान सनेहा घणा । फेरी भेदे सव सैदेस थी । स० । १९ । सु० ।
हसबुधा कपाव । कोइ कै लकफेवो । बुगलो जस्य थो माहसो । रहम याप धमा फे जी । स० । २० । सु० ।
वधीत लाई बुग घणा । श्रव सरे आया सुगा मवो । स० । मलेकरत लाइ गासवो । जासर वर जाई हंस हो स०
२१ । सु० । का काडी कुंती जी कुमाणसा । तीनो एक नी का ली जी । स० । जाजा से सा ख्या सचर । जाजा कर वे
एग सवो । स० २२ । सु० । चन ए चद सुमाणसा । तीनो एक नी का लूरो । स० । नाघसी या वा वोलीया । चदो ज
मा उ मास वो । स० । २३ । सु० । केसर कर व पसाड़ सै । मन सगा मोर सैंजवो । स० । सुगणा जी मर यनुगण
मतैकोई कर वो अरंगा वा । स० । २४ । सु० । अ जरम रयवजे । हिइ रभमनी माल वो । स० । सुग आपणी कर

सीम०

२

तो जी ए । एसी सोमते कहा इसो । सखुण । २५ । सुम तेसदा ही लगधरो । इती श्री कुमत की सिझाय पूर्ण
लिषतं कोठे मधे लिषतं नोइ कुस्या लकी । श्री लिषाजी ॥ मरए लपाघार बउजु । जायागुणमाघर ।
घर बैरे बसवो कइरहो । बहन घवाय स्या उरघरे ॥ १ । कोइ इम भीन बई ही मैं घर पराय । कोई वाय इहो घर जेम
मार । इम बोल्ह इरे सुति हुरी ॥ २ । जोक णी । सुख इ आवुड हो मानियउ । पाछउ मांग इ पाधीरे ॥ ऋषि रहार ऋषा
र इका ॥ जुछ इ राजा सोवारे । कोइ इम व ध्म वइ होमे घर सिगम ॥ ३ ॥ मात्तर पइ हैलावा वा ॥ सुबो लइ उ विचारी
रे । सरणागति किम आपी यइ ॥ नहा थ जान ऊ आधारोरे ॥ कोइ इम० ॥ ४ ॥ माणि मइ मे वो सोबडी । वारि कम हीजु रोर
हाडिम दाख विजउ र डी । सरिस उमाणगक् पुरीरे ॥ कोइ मई० ॥ ५ ॥ तन वो लिइ हो । त्री वीयउ । कमांगउ पत्न थि हो
रे ॥ कइ मापु दं अपारोरे । कइ उज कायाम डोले ॥ कोइ इ म० ॥ ६ ॥ धनिर रे हो मी वीया ॥ अम आणे द यघलोर ॥ तोल
करी यावे वडुउ । लेइ मुज मांस आत्तरो रे ॥ कोइ इम० ॥ ७ ॥ कर काप्पी जबका करइ । सुहि उत्सा सबसे सुरे । तरय इ
यडत उ जब सइ । दयात णगुण दषउरे । कोइ इम० ॥ ८ ॥ मोमवम मे हाघणा । पाछइ एक पात वैव उरे । नमइ का मी
पापणी । स्वामी किं सोभ वा सा सोरो ॥ कोइ वी० ॥ १० ॥ धरम उ दाखा वाय थी । पाछि इक पारि वृ उरे ॥ आमानन मि इया ।
पिपी । अम्हे आ वनवर घा सवे ॥ कोइ इम० ॥ ११ ॥ एक जीव पवारे ताके । कोइ क के उ अम्ह चिता वे । राजर म णी क हिइ इ
स उ रजि म सासण नारी तो रे । कोइ इम० ॥ १२ ॥ रायराणा पाप मउइ । आतेउर परिवारी रे । नाथ दया करो देसना । वरन
उ हा हाकारोरे ॥ कोइ वी० ॥ १३ ॥ वैर उपी उ राव र ष रनहीं । सरणागति वर वा रू घे ॥ निरतीना व इकि हो ल्ह गिइ । मे ल्हा
सर व सरी रोरे ॥ कोइ इम० ॥ १४ ॥ सिव पुर श्रेसे सासं घंरी । अमर करइ उ वकारो रे ॥ लच विहिफल इ करो । कुम
फ गर वर वा करे ॥ कोइ इम० ॥ १५ ॥ राइ अम्हे नहीं या वी वा । सुर सुह बनावा सीरे । इंद्र प्रसंसा सत सी । आयाइ
स उ विमासा । लेके । कोइ इम० ॥ १६ ॥ लाध उराय इ पारि व उ । सतन चुक उ एक उ रे । इंद यगुण कहा तेह णि वा ॥ तिह सोद
सइ अ धिके रोचे ॥ कोइ इम० ॥ १७ ॥ सुर अलमाया हावल्या । नरपति मे सउ पाय इरे । धर्म ध्यान धरी रहो । आयपु
एक अवा हे इरि ॥ कोइ इम० ॥ १८ ॥ फि लवन यद वीघ यार जी । गया आणे तर लोको रे । सति जिणे सर कप

३

नाहविणावरमतहोकोरे॥कोइसवी०॥१६॥सरवांगतिजिमसमीपथो पगतलइयारेवडाय।सरलित्रमहा
रइफेरहो॥शुभमरणनिवारवार॥१७॥कोइसवीनवइहोमेघरघराय॥इमबोलिइरेश्रीतिवरी॥इति श्री
मेघरथएकहोलीजसमाप्त॥१॥ अथ [illegible] जी विलमनदाइरसुज्यानी मनसेट्टो नवकार ग्रनसबकुविधमिल
जी मिल्योजीअनंतीवार सा [illegible] गरू मिनमितवो मकतकवणलिहावरे जीवजाउंकि नसडविलमनलाय
सुज्यानी मनसमातानवकार १ जेवदोफिरेश्चनादिकोजी अनसुलटनकोवार अबकइ [illegible] सुतसेनह
जी कहायावगोयारेरे २ जी० तपकरुताजेवनजयोजी लद्दभीगइपुन्नदान कोयागइसंमासमेजी
तिनगयानजाणरे जी० ३ जिणधर्मे थिवितमेधरेजी च्यालीमार्गसाथ दससुरुपेतेसेवाकरजी अते
सुरपतेसवयार जी० ४ तपकतीसमकमिलीजी पुनमिल्योसुतदान भुकमिलीसंमासखेजी तिनुर
हानिदानरे ५ जी जीवादिकनिकलेकडेर मृकसरूपीश्राप आयहीआवसटकतफिरेरे मुदमगर
केप्रसादरे जी० ६ जणथोकसुबुदसीरे सुणरेजीवश्रयुक्त अवतेमहमइदानमेरे करइंडाशुफुज
रे जी० ७ तितरसतरीयोपापमलजी सोनहीजाइश्रसनान जेमहलागाचितसुजी सोनहीजायश्रला
रन जी० ८ एकेयडीश्राधीयडीजी सावसंगतमेजाय साधसंगतपरहोत्तलीजी जनकोधकोनसायरे
[illegible] करसोजालकेजरे श्रीजकरसोराव योतोजसरजायवत बहोरकरगोकबरे १० जी० गा
नगुणमहरसलार धनदवमेलबोइ चेतनदारकरणीकरेजी सहजेनिर्मलहोयरे ११ जी० फज्ञानुजिण
जरहरजी जितलोहिरदामोह लितरदातकपटकिजी ताशुसुजतनाहरे १२ जी० सुणतसुणावतदि
नगयाजी भवकोमसुलफेनाहरे चेतनश्रापोतरजायके मोबेयरहत्लीमयरे १३ जी० [illegible] मिवेमीडसाजी
श्रनातावंताद्रुध मनमेलामोतीत्रिसाजी उबाकिसासमर १२४ जी०
[illegible]
[illegible]